प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पन्तनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

विश्वविद्यालय में एंटी रैंगिंग कार्यशाला सम्पन्न

पन्तनगर। 30 अगस्त 2024। विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के अंतिम वर्ष के छात्रों द्वारा रावे (RAWE) प्रोग्राम के अंतर्गत **'एंटी रैगिंग' कार्यशाला** का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों को रैगिंग के प्रति जागरूक करना और उन्हें इसके दुष्परिणामों के बारे में शिक्षित करना था। कार्यशाला की मुख्य अतिथि सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठात्री डा. अल्का गोयल थी। कार्यशाला का आयोजन एंटी रैगिंग कमेटी की अध्यक्ष डा. मनीषा गहलौत एवं अन्य सदस्य डा. अनुराधा दत्ता, डा. अनीता रानी और डा. अनुपमा पाण्डे (रावे इंचार्ज) के नेतृत्व में हुआ। कार्यशाला में स्नातक के द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के कुल 110 छात्रों ने प्रतिभाग किया। एंटी रैगिंग विषय से पूर्णतः अवगत कराने के लिए छात्रों ने विषय से जुड़े प्रत्येक उप बिन्दुओं पर प्रकाश डाला एवं बनाए गए डिजिटल पोस्टरों की सहायता से अपने विषय को समझाया। कार्यशाला में भव्या तिवारी, सिमरन पोखरिया, प्रियांशी सती, नंदिनी देवराड़ी, प्रत्याशा जोशी, रीता मेलकानी, अलीजा जहीर और एकता दानु जिन्होंने क्रमशः रैगिंग, एंटी–रैगिंग, एंटी–रैगिंग –लक्ष्य और उद्देश्य रैगिंग को रोकने के उपाय, रैगिंग विरोधी कानूनः कानूनी ढांचा यू.जी.सी. के द्वारा रैगिंग के विरूद्ध पारित दिशा निर्देश, रैगिंग की सजा और रैगिंग के प्रभाव पर जानकारी दी। छात्रों को महाविद्यालय की एंटी रैगिंग कमेटी के अध्यक्ष एवं अन्य सदस्यों के बारे में भी जानकारी दी गई, ताकि कोई भी विद्यार्थी रैगिंग से सम्बंधित शिकायत इस कमेटी को कर सके।

कमेटी की अध्यक्ष डा. मनीषा गहलौत ने कहा कि रैगिंग के खिलाफ लड़ाई केवल कानून और नियमों की नहीं है, बल्कि यह एक नैतिक जिम्मेदारी भी है। हम सभी को मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि हमारे महाविद्यालय में ऐसा कोई भी अनुचित व्यवहार न हो। उन्होंने यह भी बताया कि एंटी रैगिंग कमेटी रैगिंग की घ टनाओं की निगरानी रखेगी और पूर्ण निष्ठा से महाविद्यालय में एक रैगिंग मुक्त माहौल बनाने के प्रयास में रहेगी। कार्यशाला के अंत में सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठात्री डा. अल्का गोयल ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि रैगिंग न केवल एक अपराधा है, बल्कि यह छात्रों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर भी गहरा प्रभाव डालता है। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय में रैगिंग के प्रति जीरो टॉलरेंस होगी और हम सभी को मिलकर कैंपस में सकारात्मक और रैगिंग मुक्त माहौल बनाना है। उन्होंने इस कार्यशाला के सफलतापूर्वक आयोजन के लिए अंतिम वर्ष के छात्रों की सराहना की। कार्यशाला का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें कार्यशाला को सफल बनाने में योगदान देने वाले सभी छात्रों और शिक्षकों का आभार व्यक्त किया गया।

कार्यशाला को संबोधित करती अधिष्ठात्री सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय डा. अल्का गोयल।